

# गौतम बुद्ध महाविद्यालय

सम्बद्ध-सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर

पचपेड़वा, सांगठ, संतकबीर नगर (उ.प्र.)  
(शिक्षा संकाय)



## पाठ्य योजना - 2

सत्र : 2025...-2026..

छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका का नाम जेवाब्राहीन

शिक्षण विषय भूगोल

महाविद्यालय अनुक्रमांक

विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित अनुक्रमांक

**विद्यालय का नाम:-** आदर्श जनता इंग्लिश कॉलेज पचपेडा  
सत कवीर नगर

**छात्राध्यापक का नाम:-** नम जेवाशाहीन

दिनांक	कक्षा	पत्र	विषय	उप-विषय	चक्र	अवधि
	B	'A'	संज्ञा विज्ञान	भूगोल	1st	40 मिनट

**प्रकार:-**

**उद्देश्य:-**

**सामान्य उद्देश्य:-**

- 1 छात्रों में भूगोल विषय के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
- 2 छात्रों को भूगोल विषय में जानकारी देना।
- 3 छात्रों में भूगोल के प्रति वैज्ञानिक और आलोचनात्मक दृष्टिकोण पैदा करना।
- 4 छात्रों को अपने अतीत से परिचित करना।
- 5 वैज्ञानिक घटनाओं के माध्यम से छात्रों का चरित्रिक एवं सामरिक विकास करना।
- 6 भूगोल शिक्षण के द्वारा बालकों के निरीक्षण शक्तियों का विकास करना।
- 7 छात्रों में भूगोल के प्रति रुचि एवं स्वदेश प्रेम की भावना का विकास करना।

### विशिष्ट उद्देश्य :->

### ज्ञानात्मक उद्देश्य :->

छात्र संसाधन के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे ।  
छात्र विभिन्न प्रकार के संसाधनों से परिचित हो सकेंगे ।

### बोधात्मक उद्देश्य :->

छात्र संसाधन के नियमों को समझ सकेंगे और संसाधन के बारे में भी समझ सकेंगे और इसकी व्याख्या कर सकेंगे ।

### क्रियात्मक / कौशात्मक :->

छात्र संसाधन से सम्बन्धित ज्ञान जीवन में उपयोग कर सकेंगे

### अधिगम सामग्री / सहायक सामग्री :->

चार्ज, इन्वेंट, संसाधन के परिवर्तन के नियमों को प्रदर्शित करना चार्ट और संकेत का प्रयोग कर सकते हैं ।

### पूर्वज्ञान :->

छात्र संसाधन के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं ।

### प्रस्तावना के प्रश्नः→

क्र.सं.	छात्राध्यापिका कथन/क्रिया	छात्र/छात्र कथन/क्रिया
1	सक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए किन साधनों का प्रयोग करते हैं ?	साइकिल, स्कूटर, बस कार आदि।
2	साइकिल, बस, कार आदि क्या हमारे लिए उपयोगी हैं ?	हैं उपयोगी हैं।
3	ये हमारे लिए किन किन प्रकार उपयोगी हैं ?	ये हमें सुविधा प्रदान करते हैं।
4	ये वस्तुएं जो हमें सुविधा प्रदान करते हैं हमारी जरूरतों को पूरा करते हैं क्या कहलाते हैं ?	संबांधन कहलाते हैं।
5	संबांधन से आप क्या समझते हैं ?	सम्बन्धात्मक

**उद्देश्य कथनः** → बच्चों को आज हम सब संबांधन के बारे में विस्तार से अध्ययन करेंगे।

4

दिनांक .....

प्रस्तावना के प्रश्नः→

छात्राध्यापिका कथन/क्रिया

छात्र, छात्रा कथन/क्रिया

# प्रस्तुतीकरण

शिक्षण विद्दु छात्राद्यापिका कथन क्रिया | छात्र छात्र कथन क्रिया

## विकासात्मक प्रश्न

संसाधन का अर्थ

- 1 प्यास भरण पर क्या पीते हैं?
- 2 जल संसाधन क्या होता है?
- 3 जल संसाधन से क्या अभिप्राय है?

जल पीते हैं।  
खनिज, गंधहीन, स्वादहीन है  
'समस्यात्मक'

## स्पष्टीकरण

वस्तु या पदार्थ जिसकी उपयोगिता हो, संसाधन कहलाता है। दुर्भेद वस्तुओं में संसाधन होते नहीं बल्कि प्रकृति में उपलब्ध विभिन्न वस्तुओं को मनुष्य अपने ज्ञान और तकनीक के प्रयोग से उसे अपने लिए उपयोगी बनाते हैं जैसे धरती पर कोयला पाया वर्षों से था। परन्तु कोयला तब संसाधन कहा जाने लगा जब मनुष्य ने इससे आग उत्पन्न करने की शक्ति की खोज की। कुछ संसाधन का अधिक मूल्य होता है जबकि कुछ संसाधन का अधिक मूल्य नहीं होता है।

छात्र ध्यानपूर्वक सुने हैं।

शिक्षण वि-2 II	छात्राध्यापिका कथन क्रिया	छात्र कथन/क्रिया
	<b>विकासत्मक प्रश्न:-</b> 1 प्रकृति द्वारा दिए गए संसाधन कौन कौन हैं?	पेड़ पौधे, नदियां पर्वत आदि
संसाधन के प्रकार	2 कार वन्य आदि प्राकृतिक संसाधन हैं या मानव संसाधन?	मानवकृत संसाधन
के प्रकार	3 संसाधन कितने प्रकार के होते हैं?	समस्यात्मक
	<b>स्पष्टीकरण :-</b> सामान्यतः संसाधन को तीन रूपों में वर्गीकृत किया गया है।	छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हैं।
	<b>प्राकृतिक संसाधन :-</b> इसके अंतर्गत सूर्य का प्रकाश जल, वायु, खनिज, पेड़ पौधे वन मृदा आदि हैं।	
	<b>मानवनिर्मित संसाधन :-</b> इसके अंतर्गत इमारतें सड़कें, मशीनें, वाद्य, कारखाने इन्हें आते हैं।	
	<b>मानव संसाधन :-</b> मनुष्य स्वयं भी एक विशिष्ट संसाधन है। अतः लोगों को मानव संसाधन कहा जाता है।	

असंरक्षित  
बिंदु III

छात्रध्यापिका कथन / क्रिया

छात्र कथन / क्रिया

संसाधन  
संरक्षण

विकासात्मक प्रश्न  
कृष्ण प्राकृतिक संसाधनों के नाम बताइए  
यदि पृथ्वी पर जल न होता हमारा  
जीवन कैसा होगा?  
संसाधन संरक्षण से क्या तात्पर्य है?

जल पेड़ पौधे आदि।  
हमारा जीवन संकट में पड़  
जायगा।  
समस्यात्मक

**स्पष्टीकरण →**

संसाधनों के विकेकपूर्ण  
उपयोग को ही संसाधन संरक्षण कहते हैं।  
प्रयोग को पूर्णतः रोकना नहीं है, बल्कि  
इस प्रकार से उपयोग करना है कि  
वर्तमान पीढ़ी के साथ साथ आती पीढ़ी  
भी इनसे लाभान्वित हो सके। इसे  
सतत पोषणीय विकास कहते हैं।

छात्र ध्यान से  
सूनें है।

**बोध प्रश्न: →**

- 1- संसाधनों के विकेकपूर्ण उपयोग को क्या कहते हैं?
- 2- जल संसाधन से क्या तात्पर्य है?
- 3- संसाधन कितने प्रकार के होते हैं?
- 4- संसाधन संरक्षण से क्या तात्पर्य है?

## श्यामपट्ट सारांश संसाधन :->

- 1- संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को संसाधन संरक्षण कहते हैं।
- 2- वस्तु या पदार्थ जिसकी उपयोगिता हो संसाधन कहलाते हैं।
- 3- संसाधन मुख्यतः तीन प्रकार के होते हैं।  
 प्राकृतिक संसाधन :- जल, वायु, वन, खनिज आदि।  
 मानव निर्मित संसाधन :- सड़क, इमारतें, फ़्लोर आदि।  
 मानव संसाधन :- मानव
- 4- पृथ्वी को जीवन शक्ति और विवेकता का संरक्षण करना आदि।

## निरीक्षण कार्य :->

जब छात्र श्यामपट्ट सारांश करेंगे, तो उस समय शिक्षक पूरी कक्षा का समय करेंगे।

## सूत्र्याकन प्रश्न :->

- 1- कोयला को संसाधन कहा जाने लगा है।
- 2- वस्तु या पदार्थ जिसकी उपयोगिता हो क्या कहलाते हैं।

## गृहकार्य :->

संसाधन किसे कहते हैं। तथा ये कितने प्रकार के होते हैं। याद करके आना है।

## सुझाव / आलोचना :->

हस्ताक्षर निरीक्षक

हो पर्यवेक्षक

# पाठ योजना सख्या - 2

(8)

दिनांक .....

विद्यालय का नाम: → आदर्श जनता इन्टर कॉलेज पंचपेड़ा  
संत कबीर नगर

आचार्यापिका का नाम: → जेवाशाहीन

दिनांक	कक्षा	वर्ग	विषय	उप विषय	चक्र	अवधि
	8	'व'	सा. विज्ञान	सूगोल	इ.स.	45 मिनट

प्रकरण: → 'झील'

उद्देश्य: →

सासाय उद्देश्य: →

- 1- छात्रों को भौगोलिक स्थितियों से परिचित कराना।
- 2- छात्रों को प्राकृतिक परिस्थितियों से अनुकूलन के लिए प्रशिक्षित करना।
- 3- छात्रों को विश्व नागरिकता का प्रशिक्षण करना।
- 4- छात्रों में स्वदेश प्रेम की भावना जागृत करना।
- 5- छात्रों की मानसिक शक्तियों का विकास करना।
- 6- छात्रों को अवकाश के क्षणों का सदुपयोग करने के सुयोग्य विज्ञान।
- 7- छात्रों में सुगोल के प्रति रुचि उत्पन्न करना।

विशिष्ट उद्देश्य: →

ज्ञानात्मक उद्देश्य: → 1- छात्र झील के बारे में जान सकेंगे।  
2- छात्र झील के प्रकारों को जान सकेंगे।  
और उसकी व्याख्या कर सकेंगे।

बोधात्मक उद्देश्य: →

- 1- छात्र झील या उसके प्रकारों की व्याख्या कर सकेंगे।
- 2- छात्र झीलों को वर्गीकृत कर सकेंगे।

## क्रियात्मक कौशलत्मक

छात्र झीलों को चिह्नित कर अपनी छोट पुरतिका पर चिह्नित कर सकेंगे।

### अधिगम सामग्री / सहायक सामग्री :->

चक्र, स्ट्रॉ, चर्च, माँडल आदि झील के प्रकारों को पढ़ाने में प्रयोग कर सकते हैं।

### पूर्वज्ञान :->

छात्र नदी, तालाब के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

### प्रस्तावना के प्रश्न :->

#### छात्राध्यापिका कथन / क्रिया

- 1- नीला तारा किसे कहते हैं?
- 2- पृथ्वी पर सबसे अधिक मात्रा में क्या है?
- 3- जल के कौन कौन स्रोत हैं?
- 4- झील के बारे में आप क्या समझते हैं?

#### छात्र कथन / क्रिया

पृथ्वी  
जल  
नदी, तालाब, झील आदि  
स्वभाव्यात्मक

### उद्देश्य / कथन :->

विवृत अध्ययन करेंगे। आज हम सब झील के बारे में

### प्रस्तुतीकरण :->

शिक्षण विद् I	छात्राध्यापिका कथन / क्रिया	छात्र कथन / क्रिया
------------------	-----------------------------	--------------------

विकासात्मक प्रश्न :->

- 1- डीन लैटिन भाषा के किस शब्द से
  - 2- बना है
  - 3- डीन किसे कहते हैं ?
- डीन की उत्पत्ति कैसे होती है ?

'नेकम'  
जल का स्थिर भाग दो स्थल  
बिन्दुओं में धिरा होता है।

समस्यात्मक

स्पष्टीकरण :->

डीन शब्द लैटिन भाषा के  
नेकम से बना है। जिसका अर्थ होता है।  
पानी का वह हिस्सा डीन जल का वह  
स्थिर भाग है जो चारों तरफ से स्थल  
बिन्दुओं में धिरा होता है। डीनों की सक  
अवस्था विशेषता उनका आरण होता है।  
लेकिन अनेक डीन गीठ पानी की भी होती  
है। अधिकांशतः डीने समुद्र की सतह से  
ऊपर पर्वतीय प्रदेशों में पायी जाती है।  
मैदानी भागों में डीने उन नदियों के  
समीप पायी जाती है।

छात्र ध्यान से  
सुनते हैं।

शिक्षण  
विद् ॥

छात्राध्यापिका कथन / किया  
विकासात्मक प्रश्न :->

छात्रा कथन / किया

- 1- झील की उपार्ति के दो कारण बताइए ?
- 2- ज्वालामुखी के कारण झील कैसे बनती है ?
- 3- झील का क्या महत्व है ?

हिमानी विफलता की  
हलचल  
ज्वालामुखी पर्वतों की मुख्य  
जल में भर जाने पर  
समस्यात्मक

**स्पष्टीकरण :->**

झील की उपार्ति के अनेक कारण - जब हिमानियाँ अपनी पिघलने की अन्तिम अवस्था में आ जाती हैं, तब उनमें पाये जाने वाले हिमोढ़ शोधन का कार्य करते हैं। जिसमें पिघला हुआ जल ऊबड़ - खाबड़ स्थल में स्फुटित होकर झील का आकार ले लेता है।

छात्र ध्यान में  
सुगठ है।

**विकर्तनिक हलचलो के कारण :-**

पृथ्वी के अन्दर होने वाली हलचलो के कारण कभी - कभी गर्तों का निर्माण हो जाता है। जल से भर जाने पर झील बन जाते हैं।  
ज्वालामुखी के कारण :-

ज्वालामुखी पर्वतों के मुख्य भी जल भर जाने पर झीलों का रूप ले लेती है।  
**अवरोध के निक्षेप के कारण :->**

जब नदियों के मार्ग में पिशाच बंध - खण्ड गिर जाते हैं, तब अनेक प्रवाह रुक जाता है। रुका झील का रूप ले लेता है।

शिक्षण बिंदु III	छात्राध्यापिका कथन/क्रिया	छात्र/छात्रा कथन क्रिया
------------------	---------------------------	-------------------------

झील का महत्व	<p>1- झील का उपयोग कहां कर सकते हैं ?</p> <p>2- सूखे को दूर करने के लिए क्या उपयोगी है ?</p> <p>3- झील के महत्व के बारे में आप क्या जानते हैं ?</p> <p><b>स्पष्टीकरण :-&gt;</b></p> <p>झीलों का महत्व निम्न है</p> <p>झीले सूखे और बाढ़ के प्रभाव कम कर सकता है। ताकि बड़ी मात्रा में पानी का भंडारण कर के कमी के दौरान इसे उपयोग किया जा सके। झील मछलियों के लिए बहुत उपयोगी होता है। पर्यटन के लिए भी महत्वपूर्ण होती है।</p>	<p>सिंचाई करने के लिए</p> <p>झील</p> <p>अमर्यात्मक</p> <p>छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।</p>
--------------	---	---

**बोधोत्प्रेरक प्रश्न :->**

- 1- झीलों की उत्पत्ति के दो कारण बताइए ?
- 2- नीला ग्राह किसे कहते हैं ?
- 3- झील पैटिन भाषा के किन्नु शब्द से बना है ?
- 4- सूखे को दूर करने के लिए क्या उपयोगी है ?

## ध्यामपट्ट सारांश :-> झील-

- 1- झील की इयाने के दो कारन है।
- 2- हिमानी
- 3- विकसनी की हलचल
- 4- नीला गड पृथ्वी को कहते हैं।
- 5- झील बैटन भाषा के 'लेक' शब्द से बना है।
- 6- सूखे को दूर करने के लिए झील की उपयोगिता होती है।

**निरीक्षण कार्य :->** जब छात्र ध्यामपट्ट सारांश करेंगे तो उस समय शिक्षक पूरी कक्षा का समय करेंगे।

**मुल्यांकन प्रश्न :->** (1) ज्वालामुखी पर्वतों के मुख्य भी जब भर जान पर वह किसका रूप लेती है।  
(2) मठानियों को रहने के लिए किसकी आवश्यकता होती है।

## गृहकार्य :->

झीलों का क्या महत्व है? झीलों के महत्व को समझकर पहलू आइयेगा।

## सुझाव / आलोचना :->

हो निरीक्षक

हो पर्यवेक्षक

14

विद्यालय का नाम :- आदर्श जनता इंटर कॉलेज चचेड़ा  
संत कबीर नगर

छात्राध्यापिका का नाम :- जेवाशाहीन

दिनांक	वर्ष	वर्ग	विषय	उप विषय	वर्क	अवधि
7		'अ'	भा. विज्ञान	इतिहास	५५	40 मिनट

प्रकरण :- 'पृथ्वी की परतें'

उद्देश्य :-

सामान्य उद्देश्य :-

- छात्रों को भौगोलिक सिद्धान्तों से परिचित कराना।
- छात्रों को प्राकृतिक परिस्थितियों से अनुकूलन के लिए प्रेरित करना।
- छात्रों को विश्व नागरिकता का प्रवर्धन देना।
- छात्रों में स्वदेश प्रेम की भावना जागृत करना।
- छात्रों की मानसिक शक्तियों का विकास करना।
- छात्रों को अवकाश के क्षणों का सदुपयोग करने के सुयोग्य बनाना।
- छात्रों में भ्रमों के प्रति सचेत बनाना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

जानात्मक उद्देश्य :-

- छात्र पृथ्वी की परतों के बारे में ज्ञान सकेंगे।
- छात्र पृथ्वी की परतों के प्रकारों के बारे में ज्ञान सकेंगे।

बोधोत्पन्नक उद्देश्य :->

- 1- छात्र पृथ्वी की परतों तथा उनके प्रकारों की व्याख्या कर सकेंगे।
- 2- छात्र पृथ्वी की परतों को चिह्नित कर सकेंगे।

क्रियात्मक / कौशल/आत्मक :->

छात्र पृथ्वी की परतों को चिह्नित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका पर चिह्नित कर सकेंगे।

अधिवास सामग्री / सहायक सामग्री :->

चाक, स्टर पृथ्वी की परतों से सम्बन्धित चार्ट आदि।

पूर्वज्ञान :->

छात्र पृथ्वी की परतों के बारे में समान जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना के प्रश्न :->

प्रश्न	छात्रा कथन / क्रिया
1- हम सब किस पर निवास करते हैं ? हम	सब पृथ्वी पर निवास करते हैं।
2- पृथ्वी के नीचे किन्तुनी परतें पाई जाती हैं ?	पृथ्वी पर तीन परतें पाई जाती हैं।
3- पृथ्वी के तीनों परतों के नाम बताइए ?	खियाल, सीमा, नीचे
4- खियाल, सीमा नीचे परतों के बारे में आप क्या जानते हैं ?	समस्यात्मक

उद्देश्य कथन :-> बच्चों। आज हम सब पृथ्वी की परतों के बारे में विस्तृत अध्ययन करेंगे।

### प्रस्तुतिकरण :->

### शिक्षण छात्राध्यापिका कथन/क्रिया

### छात्र छात्रा कथन/क्रिया

#### विद् I

सियाल

- |    |                                       |                          |
|----|---------------------------------------|--------------------------|
| 1- | सियाल किससे मिलकर बना है ?            | सिबिका तथा सल्फ्यूरिनीयम |
| 2- | सियाल किसका मिश्रण है ?               | सल्फ्यूरिनीयम का         |
| 3- | सियाल के बारे में आप क्या जानते हैं ? | समस्यात्मक               |

#### 4- स्थायीकरण :-

सियाल (अब) सि(अ) का अर्थ होता है; सिबिका तथा (ब) का अर्थ होता है। सल्फ्यूरिनीयम कथन पर सिबिका तथा सल्फ्यूरिनीयम का मिश्रण होता है। इसीलिए इसके सियाल (अब) कहा जाता है। इस परत को ऊपर मैटल भी कहा है।  
 सु- परत पर महारिपों का निर्माण सिबिका एवं सल्फ्यूरिनीयम पदार्थों से ही हुआ है।

छात्र ध्यान पूर्वक सुन रहे हैं।

शिक्षण छात्राध्यापिका कथन/क्रिया

छात्र कथन/क्रिया

कद II

विकासात्मक प्रश्न

सीमा 1-	सियाल परत के नीचे कौन सी परत पायी जाती है ?	सीमा परत
2-	सीमा परत किसके मिश्रण से बनी है ?	सिलिका, मैग्नीशियम
3-	सीमा परत के बारे में आप क्या जानते हैं ?	समस्यात्मक

स्पष्टीकरण :- →

सीमा (Lima) सियाल परत के नीचे सीमा परत है। इसमें सिलिका (Si) मैग्नीशियम (Mg) की प्रधानता पायी जाती है। इसलिए इसे सीमा परत के नाम से जानते हैं। इस परत को निचला मैटल भी कहते हैं। सिलिका मैग्नीशियम की बनी है। क्वार्ट्ज की उपरी सतह का घनत्व (2.8) एवं निचली क्वार्ट्ज (3.0) हैं।

छात्र ध्यान से सुनें हैं।

विषय

वि. ३ III

विकासात्मक प्रश्न

- 1- निम्ने परत कहाँ पायी जाती है?
- 2- निम्ने परत को छोड़ किस नाम जानते हैं?
- 3- निम्ने परत के बारे में आप क्या जानते हैं?

पृथ्वी के अक्षरे नीचे  
कोड नाम से जाना  
जाता है  
समस्यार्थिक

स्पष्टीकरण ->

निम्ने (Nimne) यह परत पृथ्वी के अक्षरे नीचे केन्द्र में पायी जाती है, जिसे कोड नाम से जानते हैं। यह परत मुख्यतः निकेल (Ni) तथा लोहा (फेरस) (Fe) जैसी भारी धातुओं से बनी है। उच्च तापमान और भारी दबाव के कारण यह परत गाढ़े व तरल अवस्था में पायी जाती है। इस कोड के दो भाग हैं। बाह्य कोड संवत्संग आन्तरिक कोड पृथ्वी की भू-पर्पटी के पदार्थों को शैल या चट्टान कहते हैं। आधारतया शैल शब्द का अर्थ किसी कठोर या कोड भाग से बिया जाता है। परन्तु शैल पत्थर की तरह कठोर भी हो सकता है और मिट्टी और रेत की तरह मुलायम हो सकता है।

छात्र ध्यानपूर्वक  
सुनते हैं।

- वैधात्मक प्रश्न ->
- 1- पृथ्वी के नीचे कितनी परत पायी जाती है?
  - 2- विषयाय किससे मिलकर बना है?
  - 3- अन्तः परत किसके मिश्रण से बना है?
  - 4- निम्ने परत कहाँ पायी जाती है?

श्यामपट्ट आरंभ :- पृष्ठी की परतें

- 1- पृष्ठी के नीचे तीन परत पायी जाती है।
- 2- विद्युत विद्युत और सम्पुष्पीनिसस से मिलकर बनी है।
- 3- क्रीला पर विद्युत तथा मैग्नीशियम के मिश्रण से बनी है।
- 4- निके पृष्ठी के सबसे नीचे केन्द्र में पायी जाती है।

निरीक्षण कार्य जब छात्र श्यामपट्ट आरंभ करेंगे तब शिक्षक पूरी कक्षा का भ्रमण करेंगे।

सूच्यार्थक प्रश्न :-

- 1- निके प्रश्न परत किस धातु के मिश्रण से बनी है ?
- 2- क्रीला शब्द का अर्थ किससे लिया जाता है ?

वृत्तकार्य :- परतों का क्या महत्व है ? परतों के बोरे में पदक सम्झक आश्रमा ।

सुझाव / आवेचना

हस्ताक्षर निरीक्षक

रु पर्ववेक्षक

विद्यालय का नाम :- आदर्श जनता इंटर कॉलेज चचेपड़ा

सन् १९९८ नगर

छात्राध्यापिका का नाम :- जवाहराहीन

दिनांक	कक्षा	वर्ष	विषय	उप विषय	चक्र	अवधि
7		'अ'	सा. विज्ञान	अतिरिक्त प्रयोग	उक्त	40 मिनट

प्रकार :- वर्षा

उद्देश्य :-

सामान्य उद्देश्य :-

- छात्रों को सौगौणिक सिद्धान्तों एवं तथ्यों में परिचित करना
- छात्रों को प्राकृतिक परिवर्तनों से अनुकूलन के लिए प्रशिक्षित करना
- छात्रों को सामूहिक विषय जागरूकता का प्रशिक्षण देना।
- छात्रों में स्वदेश प्रेम की भावना जागृत करना।
- छात्रों की मानसिक शक्तियों का विकास करना।
- छात्रों को अवकाश के क्षेत्रों का सदुपयोग करने के सुयोग्य बनाना।
- छात्रों में सुयोग्य के प्रति सही धृष्टि प्रदान करना।

विशिष्ट उद्देश्य :-

जानात्मक उद्देश्य :-

- 1- छात्र वर्षा के बारे में जान सकेंगे।
- 2- छात्र वर्षा के बारे में प्रयास कर सकेंगे।

वैधात्मक प्रश्न :-

छात्र वर्ष के बारे में जानकारी प्राप्त कर व्याख्या कर सकेंगे।  
छात्र वर्ष के प्रकारों का वर्गीकरण कर सकेंगे।

क्रियात्मक/ कौशलात्मक :- छात्र वर्ष को अपनी अभ्यास पुस्तिका पर चिन्हित कर सकेंगे।

अधिगम सामग्री / सहायक सामग्री :-

चाक, डस्टर, चार्ट, मॉडल व अन्य कक्षा उपयोगी सामग्री।

पूर्वज्ञान :-

छात्र वर्ष के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं

प्रस्तावना के प्रश्न :-

क्रम सं.	छात्राध्यापक कथन/क्रिया	छात्र कथन/क्रिया
1.	गाव के लोगों का मुख्य व्यवसाय क्या है।	कृषि
2.	कृषि के लिए किन चीजों की आवश्यकता होती है।	जल, मृमि, खाद
3.	जल के स्रोत क्या हैं।	वर्षा, नदी, तालाब आदि
4.	वर्षा किस कहते हैं।	समास्थात्मक

उद्देश्य कथन :- बच्चों! आज महम सब वर्षा के विषय में विस्तृत अध्ययन करेंगे।

## प्रस्तुतकरण →

शिक्षण बिन्दु I	छात्राध्यापिका कथन/क्रिया विकासात्मक प्रश्न	छात्र कथन/क्रिया
1.	बादल के लाखों कण मिलकर बनते हैं।	वर्षा की एक बून्द
2.	एक बूंद का व्यास कितना होता है?	• 6 मिमी०
3.	वर्षा कितने प्रकार की होती है?	• 'समर-यात्मक'

वर्षा की प्रक्रिया

र-पष्ठीकरण :-

वर्षा वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा वायुमण्डल में संघनित जलवाष्प जल की बूंदें तथा हिम कणों के रूप में धरातल पर गिरती है। बादल के लाखों कण मिलकर वर्षा की एक बूंद बनते हैं। बूंद बनने पर उसका भार इतना उन्धिक हो जाता है कि वायुमण्डल से जल के कण बूंदों के रूप में जब पृथ्वी पर गिरते हैं। तो उसे वर्षा कहते हैं। वर्षा की एक बूंद का व्यास 6 मिमी० होता है। और जब वर्षा की तीव्रता कम हो जाती है। तो उसे फहरा कहते हैं। फहार के एक बूंद का व्यास में अधिकतम व्यास 0.5 मिमी० होता है।

छात्र ध्यानपूर्वक सुनते हैं!

विषय	आभाष्यापिका कथन / क्रिया	आभा कथन / क्रिया
अध्याय II	विकासात्मक प्रश्न	
1-	संवहनीय वर्षा कहाँ होती है?	सूक्ष्म, रेखीय प्रदेशों में
2-	पर्वत पर जिन क्षेत्र में वर्षा कम होती है। उसे क्या कहते हैं?	वाह्य छाया प्रदेश
3-	वर्षा मापन क्या होता है?	समस्यात्मक

वर्षा के स्फटीकरण →

गर्म वायु के ऊपर उठने तथा ऊपर उठकर ठण्डा होने पर धूलों के स्यां में परिवर्तन होने की प्रक्रिया के दौरान जो वर्षा होती है। पर्वत के शीर्ष में आज पर वायु के तेजी से ऊपर उठने व ठण्डा होने की क्रिया का पर्वत कृत वर्षा कहते हैं। यह वर्षा पर्वत की ढाल की ओर ओर अधिक होती है। जिन क्षेत्र में वर्षा कम होती है। उसे 'वाह्य छाया' प्रदेश कहते हैं। जब गर्म वायु ऊड़ी वायु के ऊपर चढ़ जाती है। तो गर्म वायु के ऊपर ठण्डी ठण्डा होकर वर्षा शुरू कर देती है। जिसे चक्रवाती वर्षा कहते हैं। यह वर्षा बहुत धीरे-धीरे होती है। इस प्रकार की वर्षा भारत में शीत ऋतु में होती है।

श्यापट्ट सारांश:-

- 1- गृहवी के कम्पन्न को भूकम्प कहते हैं।
- 2- सूर्य की परिक्रमा ग्रह करता है।
- 3- ज्वालामुखी विस्फोट से घने वाले भू कम्पन्न को भूकम्प कहते हैं।
- 4- भूस्थलन पहाड़ी और पर्वतीय इलाकों में होता है।

निरीक्षण कार्य:-

जब छात्र श्यापट्ट सारांश करेंगे तब उस समय शिक्षक पूरी नक्षा का प्रयोग करेंगे।

मूल्यांकन प्रश्न:-

- 1- सुनामी कैसी होती है?
- 2- ज्वालामुखी विस्फोट से क्या होता है?
- 3- भूकम्प के दोनो कारणों के नाम बताइए -
- 4- टक्शनिक प्लेट किसे कहते हैं?

गृहकार्य:-

भूकम्प के प्रकारों और उनके प्रकारों के बारे में पढ़कर समझकर आइसगा।

सुझाव आलोचना:-

ह. निरीक्षक

ह. पर्यवेक्षक

विषय: अत्राध्यायिका कथन/क्रिया  
 खत कथन/क्रिया

विषय III: **विकार्यात्मक प्रश्न**

**वर्षा**  
**मापन**

वर्षा को मापने लिए एक यंत्र को काम में लाया जाता है। इसे क्या कहते हैं?  
 वर्षा मापी यंत्र कैसा होता है?  
 वर्षा मापन यंत्र कैसा होता है?  
 वर्षा मापन के बारे में आप क्या जानते हैं?

इस यंत्र को वर्षा मापी यंत्र कहते हैं। इसे खोजवा वेमजकार कहते हैं।  
 समक्यात्मक

**स्पष्टीकरण:** →

किसी स्थान पर किसी वर्षा इर्द्ध है। इसे मापने के लिए एक यंत्र काम में लाया जाता है। जिसे वर्षमापी यंत्र कहते हैं। इसे एक निश्चित समय में निश्चित स्थान पर वर्षा में रखकर पानी के वरमुन की मात्रा में माप लिया जाता है। वर्षमापी कई तरह का होता है। वर्षा अधिकतर इंच सेरीमीटर में मापी जाती है। वर्षा मापी एक खोजवा वेमजकार है। जिसके अन्दर एक वातल रबी रहती है। और ऊपर एक कोप लगा रहता है। वर्षा का पानी कोप द्वारा वातल में भर जाता है तथा बाद में मापक द्वारा माप लिया जाता है।

अत्र अध्याय पूर्वक सुन रहे हैं।

- बोध प्रश्न:-**
- 1- जल के वात क्या है?
  - 2- एक बुद्ध का व्यास कितना होता है?
  - 3- सपहनीय वर्षा कैसी होती है?
  - 4- वर्षमापी यंत्र कैसा होता है?

*Shweta Chandel*